भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3495

13 मार्च, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

पीएम-एबीएचआईएम के अंतर्गत स्वीकृत स्वास्थ्य परियोजनाएं

†3495. श्री जी. एम. हरीश बालयोगीः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) आंध्र प्रदेश के डॉ. बी. आर. अंबेडकर कोनसीमा जिले में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) की शुरुआत से अब तक उक्त मिशन के अंतर्गत स्वीकृत स्वास्थ्य अवसंरचना परियोजनाओं और उक्त परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति तथा वास्तविक एवं वित्तीय प्रगति का घटक-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त जिले में पीएम-एबीएचआईएम के अन्तर्गत शुरुआत से अब तक आवंटित, स्वीकृत, जारी और उपयोग की गई निधि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त जिले में कितने क्रिटिकल केयर अस्पताल ब्लॉक, एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाएं, ब्लॉक सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाइयां, शहरी स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) स्वीकृत किए गए हैं, कितने निर्माणाधीन हैं और कितने कार्यशील किए जा चुके हैं;

(घ) उक्त जिले में पीएम-एबीएचआईएम की चल रही परियोजनाओं को पूरा करने के लिए निर्धारित समय-सीमा क्या है और क्या उक्त परियोजनाओं में किसी प्रकार के विलंब की सूचना मिली है और यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या उक्त जिले में पीएम-एबीएचआईएम के अंतर्गत स्वीकृति के लिए अतिरिक्त परियोजनाएं विचाराधीन हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ङ): प्रधान मंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) कुछ केंद्रीय क्षेत्र के घटक (सीएस) वाली एक केंद्र प्रायोजित योजना (सीएसएस) है, जिसका योजना अवधि (वित्तीय वर्ष 2021-22 से वित्तीय वर्ष 2025-26) के लिए परिव्यय 64,180 करोड़ रुपये है।

इस योजना में स्वास्थ्य अनुसंधान सहित स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी और जन स्वास्थ्य कार्यलापों को एकीकृत और सुदृढ़ करने के लिए नए सुधारों की परिकल्पना की गई है, ताकि समुदाय ऐसी वैश्विक महामारियों अथवा स्वास्थ्य संकट के प्रबंधन में आत्मनिर्भर बन सकें। योजना के अंतर्गत उपायों का उद्देश्य स्वास्थ्य

प्रणालियों और संस्थानों को सुदृढ़ करना है ताकि सभी स्तरों नामत: प्राथमिक, माध्यमिक और विशिष्ट स्तरों पर निरंतर परिचर्या प्रदान की जा सके, साथ ही स्वास्थ्य प्रणालियों को वर्तमान और भावी वैश्विक महामारियों और आपदाओं का प्रभावकारी ढंग से सामना करने के लिए तैयार किया जा सके।

योजना के सीएसएस घटक के तहत, आंध्र प्रदेश राज्य को राज्य द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के अनुसार 696 भवनविहीन-एएएम, 45 यू-एएएम (एचडब्ल्यूसी), 26 आईपीएचएल और 24 सीसीबी के निर्माण/सुदृढ़ीकरण के लिए पांच वर्षों (अर्थात वित्तीय वर्ष 2021-22 से वित्तीय वर्ष 2025-26) के लिए 1118.80 करोड़ रुपये की राशि के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

पीएम-एबीएचआईएम के तहत इसके प्रारंभ से वित्तीय वर्ष 2025-26 तक (26.02.2026 तक) केंद्रीय निर्गत और व्यय का विवरण इस प्रकार है:

वित्तीय वर्ष	**केंद्रीय निर्गत (**करोड़ रु. में**)**	**व्यय (**करोड़ रु. में**)**
2021-22	584.04	29.08
2022-23	1,228.35	1,340.57
2023-24	1,805.77	2,840.60
2024-25	2,086.34	3,882.42
2025-26	1,774.72	1,736.05

नोट:

i. वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय निर्गत 26.02.2026 तक अद्यतन किया गया है और यह अनंतिम है।

ii. उपर्युक्त निर्गत केंद्रीय सरकारी अनुदानों से संबंधित हैं और इनमें राज्य का अंशदान शामिल नहीं है।

iii. व्यय में केंद्रीय निर्गत, राज्य निर्गत और वर्ष के प्रारंभ में अव्ययित राशि शामिल है।

राज्य द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, आंध्र प्रदेश के कोनसीमा जिले में रामचंद्रपुरम स्थित एरिया अस्पताल में एक एकीकृत जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला (आईपीएचएल) और 9 भवनविहीन एएएम (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) स्वीकृत किए गए हैं।

राज्य ने आगे सूचित किया है कि एसएनए-स्पर्श मॉडल के अनुसार, जारी की गई निधि और व्यय को स्वीकृत प्रावधानों के अनुरूप संरेखित किया गया है। कार्यों की प्रगति और बिलों के प्रस्तुतीकरण के आधार पर, कुल स्वीकृत राशि ₹125.00 लाख में से ₹79.26 लाख का व्यय हो चुका है। सूचना की तिथि के अनुसार, यह व्यय डॉ. बी.आर. अंबेडकर कोनसीमा जिले के रामचंद्रपुरम स्थित एरिया अस्पताल में एकीकृत जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला के लिए सिविल कार्यों और उपकरणों के प्रापण से संबंधित है।

15वें वित्त आयोग के स्वास्थ्य अनुदान के तहत, डॉ. बी.आर. अंबेडकर कोनासीमा जिले के लिए कुल 14 ब्लॉक जन स्वास्थ्य इकाइयां (बीपीएचयू) और 2 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) स्वीकृत किए गए हैं।

******